Regarding remarks on Maharana Sanga

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी (चित्तौड़गढ़) : सभापति महोदय, माननीय महिमा कुमारी जी ने जिस विषय को उठाया है, वह सिर्फ मेवाड़ का ही नहीं, बल्कि पूरे देश का विषय है। कोई भी तुष्टीकरण के चक्कर में महापराक्रमी योद्धाओं के लिए इस प्रकार की बातें करता है तो निश्चित रूप से वह निंदनीय है। ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। शायद उनके ध्यान में नहीं आया होगा कि दौलत खां के आमंत्रण पर बाबर भारत आया था और इब्राहिम लोधी को दो-दो बार धूल चटाई थी और बाबर को भी युद्ध में हराया था। राणा सांगा एक ऐसे पराक्रमी योद्धा थे, जिन्होंने सौ युद्ध लड़े और सौ के सौ युद्ध जीते। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि कुछ लोग तुष्टीकरण के चक्कर में ऐसी बातें करते हैं। ये वही लोग हैं, जो अयोध्या नहीं जाते और बाबर की कब्र को धोकने जाते हैं। महोदय, इनकी चौथी पीढ़ी आ गई, ये बाबर की कब्र पर जा रहे हैं, इनको अयोध्या जाने में शर्म आती है। ? (व्यवधान)